This question paper contains 2 printed pages.]

Roll Number	**:**	……..
Unique Paper Code	**:**	**121302405**
Title of the Paper	**:**	**EC C-401 Kavyaprakash काव्यप्रकाश**
Name of the Course	**:**	**MA Sanskrit (LOCF) Examination, May 2022**
Semester	**:**	**IV**
Duration	**:**	**3 Hours**
Maximum Marks	**:**	**70**

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमाङ्क लिखिए।

(Write Your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

टिप्पणीः अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी में से किसी एक भाषा में दीजिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written either in Sanskrit **or** in Hindi **or** in English**.**

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt all questions.

1. (क) अधोलिखित की व्याख्या कीजिए- 7

Explain the following:

मुख्यार्थहतिर्दोषो रसश्च मुख्यस्तदाश्रयाद्वाच्यः।
उभयोपयोगिनः स्युः शब्दाद्यास्तेन तेष्वपि सः।।

अथ वा/or

स्मर्यमाणो विरुद्धोऽपि साम्येनाथ विवक्षितः।
अङ्गिन्यङ्गत्वमापन्नौ यौ तौ न दुष्टौ परस्परम्।।

(ख) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिये- 7

Explain the following:

ये रसस्याङ्गिनो धर्माः शौर्यादय इवात्मनः।
उत्कर्षहेतवस्ते स्युरचलस्थितयो गुणाः।।

अथ वा/or

एवं च 'समवायवृत्या शौर्यादयः संयोगवृत्या तु हारादय इत्यस्तु गुणालंकाराणां भेदः,
ओजःप्रभृतीनामनुप्रासोपमादीनाञ्चोभयेषामपि समवायवृत्या स्थितिरिति
गड्डुलिकाप्रवाहेणैवेषां भेदः' इत्यभिधानमसत्।

(ग) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिये- 7

Explain the following:

यदुक्तमन्यथावाक्यमन्यथान्येन योज्यते।
श्लेषेण काक्वा वा ज्ञेया सा वक्रोक्तिस्तथा द्विधा।।

अथवा/or

अर्थे सत्यर्थभिन्नानां वर्णानां सा पुनः श्रुतिः।
यमकम्……..॥

(घ) निम्नलिखित की व्याख्या कीजिये- 7

Explain the following:

प्रकृतं यन्निषिध्यान्यत्साध्यते सा त्वपह्नुतिः।

अथ वा/ or

काव्यलिङ्गं हेतोर्वाक्यपदार्थता।

2. अधोलिखित पर लघु टिप्पणियाँ लिखिये, इनमें से एक संस्कृत में ही होनी चाहिये- 5+5+5+7

Write short notes on the following, **one** must be in Sanskrit.

(क) अकाण्डे प्रथनच्छेदौ

अथवा/or

विरुद्ध सञ्चारी भाव की गुणरूपता ।
Gunaness of विरुद्ध सञ्चारी भाव

(ख) माधुर्यगुण एवं उसके अभिव्यञ्जक
Madhurya Guna and its revealers

अथवा/or

गुणों की शब्दार्थवृत्तिता
Gunas as the properties of word and its sense

(ग) अभङ्गश्लेष अलङ्कार

अथवा/or

चित्र अलङ्कार

(घ) उत्प्रेक्षा तथा ससन्देह अलङ्कारों में अन्तर
Difference between Utpreksa and Sasandeha Alankaras

अथवा/or

दीपक तथा तुल्ययोगिता अलङ्कारों में अन्तर
Difference between the figures of speech Dipaka and Tulyayogita

3. अधोलिखित समालोचात्मक प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए- 10+10
Answer any **two** of the following critical questions:

(क) स्वशब्दवाच्यता नामक रसदोष को उदाहरणों की सहायता से स्पष्ट कीजिए तथा यह भी बताइए कि सञ्चारी भाव के सन्दर्भ में कैसे उसका अपवाद होता है?

Explain the Blemish of Rasa called 'स्वशब्दवाच्यता ' with the help of illustrations and also make it clear how does it have exception when it comes to the notion of सञ्चारी भाव .

(ख) वामन के दस शब्द-गुणों तथा दस अर्थ-गुणों का मम्मट ने किस प्रकार खण्डन किया है, स्पष्ट कीजिए।

How does Mammata refute the ten Sabdagunas and ten Arthagunas proposed by Vamana ? Explain.

(ग) अनुप्रास अलंकार से सम्बन्धित मम्मटकृत प्रतिपादन की समग्रतया समालोचना कीजिए।

Critically examine the Mammata's total description of Anuprasa Alankara

(घ) उपमा अलंकार क्या है ? पूर्णोपमा के सभी प्रभेदों को उदाहरणों की सहायता से समझाइए।

What is Upama, the figure of speech ? Elucidate all types of Purnopama with the help of illustrations.